

FORM No. III

अधिकृत प्रिंटर, इंगला-9413403527

फर्द अहकाम

(नियम 26)

अज अदालत

उपखण्ड अधिकारी

उपखण्ड अधिकारी

इंगला

मुकाम

इंगला

बनाम


किस्म मुकदमा

नं.

सन्

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिथिल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
	<p>1000 - एक हजार रुपये कीस पर कम्प्लेन्ट सिगुवत छिगा जाकर आदेश दिगा जावई कि ग्राफिक आदेश विभाजन प्रस्ताव छाना की जावई कर मजबूत आदेश एक माह में प्रस्तुत करें। इसी आदेश का डिफ़ी पार्स एव हक्कनामा आदेश जारी है। पत्रावल्य विभाजक प्रस्तावके इंतजार में दिनांक 1-10-2021 को वेश हो।</p> <p style="text-align: center;">उपखण्ड अधिकारी इंगला</p>	
41/23	<p>रखीलदार इंगला से विभाजन प्रस्ताव प्राप्त होवेसे पत्रावली को सीगट से हलक की गई। प्रस्ताव विभाजन के संश्लेष में वकील वादी को अवगत कराया गया। वकील वादी ने मात विभाजक प्रस्ताव के अनुसार फाइनल बिस्वी के मे जगो को सहमति दी गई है। इसलिये मौजा धाखरेडी के खसरा संख्या 34 में वर्णित धाराजी नम्बर 227/2 खसरा 0.4945 है भूमि का वादी एवं सविवादीगण के मध्य विभाजन से शर्त अलग कर अलग-अलग मिन्नातुस्तार खलिंदारी में दर्ज किया जाने का अहकाम दिगा जाव है।</p>	
1	<p>श्री रामेश्वर लाल पिता मांगीलाल साखवी साह देह खलिंदार</p> <p style="text-align: center;">भाराजी नम्बर रकबा है</p> <p style="text-align: center;">227/2/1 0.1268</p>	
	<p style="text-align: center;">योग 1 0.1268 है.</p>	
2	<p>श्री कृष्ण लाल पिता इदम लाल खिरसा 710/3677 जाहि गवारीया सा. वडीसादडी कृष्ण लाल पिता नवला खिरसा 247/3677 जाहि मेघवाळ, गंग पलि डीरा खिरसा 660/3677 जाहि मेघवाळ चावली पिता नवला खिरसा 247/3677 जाहि मेघवाळ, प्यारी पिता डीरा खिरसा 659/3677 जाहि मेघवाळ, उभूडी पलि नवला खिरसा 247/3677 जाहि मेघवाळ शंकर लाल पिता नवला खिरसा 248/3677 जाहि मेघवाळ, सोहनी पिता डीरा खिरसा 659/3677 जाहि मेघवाळ सा. देह खातेदार</p> <p style="text-align: center;">भा. नं० रकबा</p> <p style="text-align: center;">227/2-मी 0.3677</p>	
	<p style="text-align: center;">योग 1 0.3677</p>	



तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इतिवित्त जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
	<p>उपरोक्त प्रकार राजस्व रेकार्ड में भूजा - अलग खसिदारी में दर्ज करके का क्षतिप्राप्त किया जाता है। उपरोक्त राजस्व रेकार्ड में शणभद्रागढ़ किया जाने का धरिया दिया जाता है। उम्मीद पूर्ण होकर वेकट संकन परावही हो। सिध्ति सिद्धाया जाकर सुनाया गया। फावली केसण सुगाट वेकट नावर से कम हो।</p> <p style="text-align: center;">  उपरोक्त अधिकारी देवता जिला-चित्तौड़गढ़ </p>	

